मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

भा.कृ.अनु.प.- भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल- 132 001

(करनाल और इसके आस-पास के गाँवों के लिए) वेबसाइट: **www.dwr.res.in**

साल-1, क्रमांक:-6/2016-17/मंगलवार समय: अपराह्न 2:30 बजे दिनांक-10-04-2017

बीते पखवाड़े का मौसम (27 मार्च- 9 अप्रैल, 2017)

बीते पखवाड़े के दौरान दिन का अधिकतम तापमान 20.4 से 37.8 डिग्री सेल्सियस (पखवाड़ा सामान्य 31.2 डिग्री सेल्सियस) तथा न्यूनतम तापमान 6.8 से 20.6 डिग्री सेल्सियस (पखवाड़ा सामान्य 15.1 डिग्री सेल्सियस) रहा। इस दौरान पूर्वाहन को सापेक्षिक आर्द्रता 48 से 100 तथा दोपहर बाद 26 से 70 प्रतिशत दर्ज की गई। बीते सप्ताह के दौरान लगभग 4 मि.मि. बारिश प्राप्त हुई। सप्ताह के दौरान हवा की औसत गति 0.9 से 12.9 कि.मी. प्रतिघंटा (पखवाड़ा सामान्य 3.7 कि.मी. प्रतिघंटा) रही। हवा अधिकतर शांत तथा उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा से रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी-तत्व/दिनांक	11-4-17	12-4-17	13-4-17	14-4-17	15-4-17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°C)	31.1	34.0	35.8	37.2	40.1
न्यूनतम तापमान (°C)	17.5	20.1	18.6	23	24.8
बादलों की स्तिथि (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) अधिकतम	17	17	19	13	20
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	6	6	5	5	5
हवा की गति (कि.मी./घंटा)	21	20	15	11	11
हवा की दिशा	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम	पश्चिम-उत्तर-पश्चिम	पूर्व-दक्षिण-पूर्व	पूर्व-उत्तर-पूर्व-

<u>कृषि परामर्श सेवा के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है:-</u>

- किसान भाइयों से अनुरोध है कि कम्बाईन मशीन द्वारा काटने के उपरांत पुआल (भूसे) को पुनः प्राप्त करें एवं गेहूं के अवशेषों को न जलाएं।
- तापमान तथा हवा की गति को मध्यनजर रखते हुए, किसानों को सलाह है कि इस मौसम में तैयार गेहूँ की फसल की कटाई कर लें। किसान कटी हुई फसलों को बाँधकर भंडार घर या सुरक्षित स्थान पर रखें अन्यथा तेज हवा या आंधी से फसल एक खेत से दूसरे खेत में जा सकती है। भण्डारण से पूर्व अनाज के दानों को अच्छी तरह से सुखा लें।
- अच्छी कीमत मिल सकें, इसके लिए अनाज को जल्द-से-जल्द मंडियों में जाकर बेचें।
- गेहूँ की कटाई के तुरंत पश्चात् मूंग की बिजाई कर दें। मूंग की फसल की बुवाई हेतु किसान भाई उन्नत बीज का ही प्रयोग करें। बुवाई से पूर्व राइज़ोबीयम तथा फास्फोरस सोल्युबलाईज़िंग बैक्टीरिया से बीज उपचार करें। मौसम शुष्क रहने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए हल्की सिंचाई कर लें ताकि बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी रहे।

सलाहकार समिति के वैज्ञानिक

1. डॉ. आर.के.शर्मा (नोडल अधिकारी एवं अध्यक्ष)
2. डॉ. रविश चतरथ (सदस्य)
3. डॉ. बी.एस.त्यागी (सदस्य)
4. डॉ. आर.एस.छोकर (सदस्य)
5. डॉ. अनुज कुमार (सदस्य)
6. डॉ. पूनम जसरोटिया (सदस्य)
7. डॉ. विष्णु गोयल (सदस्य)
8. डॉ. अंकिता झा (सदस्य सचिव)